लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4916

01 अप्रैल, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

अमृतसर के वस्त्र उद्योग को पुनर्जीवित करना

4916. श्री गुरजीत सिंह औजला:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि अमृतसर, जो कभी ऊनी वस्त्रों सहित अन्य वस्त्रों का प्रमुख केन्द्र था, में प्रत्यक्ष अनुदान, प्रोत्साहन और औद्योगिक सहायता की कमी के कारण इस उद्योग में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जिसके कारण वस्त्र संबंधी व्यवसाय पंजाब से बाहर स्थानांतरित हो रहा है;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा अमृतसर के वस्त्र उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने, वस्त्र इकाइयों के आधुनिकीकरण तथा निवेश आकर्षित करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेप हेतु क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या सरकार अमृतसर के ऐतिहासिक महत्व को पुनर्जीवित करने, रोजगार सृजन करने तथा पंजाब की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष पैकेज या समर्पित वस्त्र क्लस्टर शुरू करेगी; और

(घ) अमृतसर की रणनीतिक स्थिति और संपर्कता को देखते हुए क्या सरकार का विचार इसे वैश्विक कपड़ा केंद्र बनाने के लिए निर्यात प्रोत्साहन नीतियों और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समर्थन को सुविधाजनक बनाने का है?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (घ): सरकार उच्च तकनीक और उच्च विकास वाले उत्पाद खंडों पर ध्यान केंद्रित करके, अंतर्निहित शक्तियों का लाभ उठाकर, बड़े पैमाने पर प्लग एंड प्ले अवसंरचना का विकास करके, स्थिरता को केंद्र में रखते हुए, बड़े पैमाने पर आजीविका के अवसर सुनिश्चित करते हुए, पारंपरिक क्षेत्रों को प्रोत्साहन प्रदान करके और अमृतसर, पंजाब सहित देश भर में विभिन्न योजनाओं/पहलों को कार्यान्वित करके कच्ची सामग्री की मूल्य श्रृंखला में आत्मनिर्भर बनते हुए संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला के समग्र विकास पर केंद्रित है। प्रमुख योजनाओं/पहलों में पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एवं अपैरल (पीएम मित्र) पार्क योजना, जिसका उद्देश्य एक आधुनिक, एकीकृत, विश्व स्तरीय वस्त्र अवसंरचना तैयार करना है; बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) फैब्रिक, एमएमएफ अपैरल और तकनीकी वस्त्रों पर केंद्रित उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना; अनुसंधान नवाचार एवं विकास, वृद्धि तथा बाजार विकास पर केंद्रित राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन; मांग आधारित, रोजगार उन्मुख, कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान करने के उद्देश्य से वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण हेतु समर्थ योजना; रेशम उत्पादन मूल्य श्रृंखला के समग्र विकास के लिए सिल्क समग्र-2; हथकरघा क्षेत्र को संपूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम शामिल हैं। वस्त्र मंत्रालय हस्तशिल्प कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम और व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना भी क्रियान्वित कर रहा है। इन योजनाओं के तहत विपणन, कौशल विकास, क्लस्टर विकास, कारीगरों को प्रत्यक्ष लाभ, अवसंरचना और प्रौद्योगिकी सहायता आदि के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

***